



» ओशो

बह हो सकता है, जीसस ने किसी के हाथ पर हाथ रखा हो और अंख ठीक हो गई ही, लेकिन फिर भी चमत्कार नहीं है। क्योंकि पूरी बात अब पता चल गई है। अब पता चल गया है कि कुछ अधेर तो सिफ़े गानविक रूप से अधेर होते हैं। वे अधेर नहीं होते, सिफ़े मेटल ब्लाइंडनेस होती है। उनको सिफ़े खबर नहीं है अधेर होने का और वह स्वयं बताना मजबूत हो जाता है कि अंख काम करना बंद कर दीती है। अगर कोई आदमी उनको भरोसा दिला दे तो उनकी अंखें ठीक हो सकती हैं। तो उनका मन तत्त्वाल चापस लौट आएगा और वह अंखें आदमी रहते थे। सांप झाड़ने का काम करते थे। उन्होंने सांप पाल रखे थे। तो जब भी किसी सांप का हड्डियाने वाला आता, तब वह बहुत शोर-गुण मचात। तुम पोटाएं, पुंगी बजाते और धूंधा फैलाते, फिर उनका एही पला हुआ सांप आकर एकदम सर पटकने लग जाता। जब वह सांप रिस्की करते, वह अंदमी देखता रहे कि सांप अब यारा। वह सांप को बुलावा देता है। वह कहता है, पहले सांप से मैं पुछता

नाम है? आप फलां गांव से आ रहे हैं। बस आप चमत्कृत हो गए। हड्ड हो गई। कैसे पता चला मेरा गांव, मेरा नाम, मेरा घर? क्योंकि ऐसी-ऐसी अभी अविकसित विज्ञान है। चुनियांदी सूत्र प्रगत हो चुके हैं। अभी दूसरे के मन के विचार को पढ़ने का विज्ञान धैरि-धैरि विकसित हो रहा है और साफ़ हुई जा रही है। उसका सबूत है, कुछ लेना देना नहीं है। कोई भी पढ़ सकेगा, कल जब साइंस हो जाएगी, कोई भी पढ़ सकेगा। अभी भी काम हुआ है और दूसरे के विचार को पढ़ने में बड़ी आसानी हो रही है। लेटो सी तरकीब आपको बता दें। आप भी पढ़ सकते हैं। एक-दो-चार दिन प्रयोग करें। तो आपको पता चल जाएगा, और आप पढ़ सकते हैं, लेकिन जब आप अपेक्षा देखेंगे तो आप समझेंगे कि भारी चमत्कार हो रहा है।

चमत्कार: वैज्ञानिक पित का अभाव

कि क्यों काटा? मैं उसे छाँटूंगा, समझाऊंगा, बुझाऊंगा, उसी के डांग जहर चापस करवा दूंगा। तो वह डाटते, डपटते, वह सांप क्षमा मानेने लगता, वह गिरने लगता, लौटने लगता। फिर वह सांप, जिस जगह काटा होता आदमी को, उसी जगह मुह भूंह करवाता। तब वह आदमी ठीक हो जाता।

कोई छह या सात साल पहले उसके लड़के को सांप ने काट लिया। तब बड़ी मुश्किल में पड़े, क्योंकि वह लड़का बस जानता है। वह लड़का कहता है, इससे मैं न बचूंगा, क्योंकि युवा तो सब पता है। सांप घर का ही है। वह भागकर मेरे पास आए, कुछ करिए, नहीं को लड़का मर जाएगा। मैंने कहा आपका लड़का और सांप के काटने से मर, तो चमत्कार हो गया। आप ने किन्तु ही लोगों को सांप के काटने से बचा चुके हो। उसने कहा कि मेरे लड़के को न चलेगा। क्योंकि उसके सब पता है कि सांप अपने ही घर का है। वह कहता है, वह हो घर का पता है। वह उल्लास करने का काटा है। तो आप चलिए, कुछ करिए, नहीं तो मेरा लड़का जाएगा है। सांप के जहर से कम लोग मरते हैं। सांप के काटने से ज्यादा मरते हैं। वह काटा हुआ दिक्कत दे जाता है। वह इतनी दिक्कत दे जाता है कि जिसका हिसाब नहीं है। मैंने सुना है कि एक गांव के बाहर एक फैक्रीर रहता था। एक गांव उसने देखा कि एक काटनी लग्या गांव में प्रवेश कर रही है। उसने पूछा कि तुम कौन हो। उसने कहा, मैं पीत हूं और शहर में महामारी फैलने वाली हूं। इसलिए मैं जा सकी हूं। वह कहता है, वह हो घर का पता है। एक लोकवाचन रख और सुनने की कोशिश कर, हम कुछ न कुछ कहने की कोशिश कर रहे हैं। अपने मन में एक ही सच्च ले ले और उसको जोर से दोहराएं। अंदर ही दोहराएं, गुलाब, गुलाब, जोर से दोहराएं, गुलाब, गुलाब, गुलाब... दोहराएं आजाकर में नहीं मन में जोर से। आप देखेंगे कि तीन दिन में बच्चे ने पकड़ना शुरू कर दिया। वह बहा से कहेगा। क्या आप गुलाब कह रहे हैं? तब आपको पापा बोलेगा कि बात क्या हो गई जब आप भीतर जोर से गुलाब दोहराते हों तो दूसरे तक उसकी विचार तरफे पहुंचनी शुरू हो जाती है। बस वह जरा सा रिसेटिव होने की कला सीखने की बात है। बच्चे रिसेटिव हैं। फिर इससे उठाए भी किन्तु जा सकता है। बच्चे को कहें कि यह एक सच्च मन में दोहराएं और आप उस तरफ ध्यान रखकर, बैठकर पकड़ने की कोशिश करें। बच्चा तीन दिन में पकड़ा है तो आप छह दिन में पकड़ सकते हैं कि 'वह क्या दोहरा रहा है' और जब एक सच्च पकड़ा जा सकता है। तो पिर कुछ भी पकड़ा जा सकता है।

हर आदमी के अंदर विचार की तरंगें गोजूद हैं, वह पकड़ी जा रही हैं, लेकिन इसका विज्ञान अभी बहुत साफ़ न होने की वजह से कुछ मदारी इसका उपयोग कर रहे हैं। जिनको यह तरकीब पता है वह कुछ उपयोग कर रहे हैं। फिर वह आपको दिक्कत में डाल देते हैं। तब सारी की सारी बातों में कोई चमत्कार नहीं है।

न चमत्कार कीषी पृथ्वी पर हुआ है। चमत्कार नहीं है, चमत्कार नहीं है। अपने से अपने भिन्न भिन्न चमत्कार हिपोटिक गोरे रहते हैं। जगत में विज्ञान है, चमत्कार नहीं। प्रत्येक चीज का कार्य है, कारण है, लब्धवासा है। जानने में देर लग सकती है। आप एक साथू के पास गए। उसने आपको देखकर कह दिया, आपका फला-